

UNIVERSAL
LIBRARY

OU 180494

UNIVERSAL
LIBRARY

OSMANIA UNIVERSITY LIBRARY

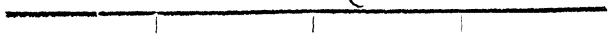
Call No. H 82 / K 13 D

Accession No. H 2633.

Author काजलका, विद्यामणि

Title एतत्तु इति १ / 1957

This book should be returned on or before the date last marked below.



धरती हमारी है

धरती हमारी है

विलियम काज़लेंको के एक प्रसिद्ध नाटक का अनुवाद

अनुवादक
रामचंद्र टंडन



राजपाल एण्ड सन्स
कश्मीरी गेट, दिल्ली-६

मूल्य
दो रुपये (२.०० नये पैसे)

●
द्वितीय संस्करण
फ़रवरी, १९५७

●
मुद्रक :
युगान्तर प्रेस
इफ़रिन पुल, दिल्ली ।

दो शब्द

पूजीवादी मनोवृत्ति नई और पुरानी दुनिया का भेद नहीं स्वीकार करती। वह सब जगह एक-सी है। प्रस्तुत नाटक के पात्रों की कल्पना यद्यपि अमरीका की पृष्ठभूमि में हुई है, फिर भी यह स्पष्ट है कि यह चरित्र किसी देश-विशेष के नहीं, दूसरे देशों में भी सर्वत्र विद्यमान हैं। संक्षेप में, पूजीवाद, सभी जगह, थोड़े लोगों द्वारा बहुत लोगों के शोषण की नींव पर स्थित है। यह नींव हिल चुकी है, इसका किंचित् संकेत हमें इस नाटक की कथा-वस्तु में मिलेगा।

पूँजीवाद को बहुत अंशों में उस विश्वास से आश्रय मिला है, जिसे हम 'परम्परा' का नाम दे सकते हैं। विविध धार्मिक मत इस परम्परा के अन्तर्गत हैं। अन्तिम दृश्य में पादरी माइकेल ऐना की हत्यारूपी दुर्घटना पर लोगों की उत्तेजना दूर करने के लिए जो उपदेश देता है, उसमें "मृत आत्मा की शान्ति के लिए" लोगों से प्रार्थना करने का आदेश करता है। ग्रूबर उत्तर देता है, "नहीं पिता, जीवित आत्माओं की शान्ति के लिए ! मृत को हम दफन कर चुके !" इस उत्तर में समूह की जाग्रति का रहस्य निहित है।

विलियम काज़लेंको का यह नाटक लोक-प्रसिद्ध हो चुका है। कवि श्री सुमित्रानन्दन पन्त के अनुरोध से इसका हिन्दी अनुवाद हुआ था, और वर्षों पूर्व उन्हीं के पत्र 'रूपाभ' में यह प्रकाशित भी हुआ था।

अनुवादक

पात्र-पात्री

जो स्टोपा : पोलिश किसान, अवस्था ५२ वर्ष । जरा विदेशी उच्चारण के साथ बोलता है ।

ऐना : उसकी पत्नी, बड़ी सीधी स्त्री है, और पति से उम्र में दो वर्ष छोटी है ।

अलेक : जो स्टोपा और ऐना का पुत्र । युवक ।

मेरी : अलेक की बहन । कुमारी ।

लेग : वाक्पटु और चतुर ठेठ अमरीकी दलाल ।

फिगर : एक व्यापारिक संगठन का स्वार्थरत अधिकारी ।

डफी : उच्चाकांक्षी हृदयहीन हाकिम ।

बेल्स : उसका सहकारी जो दूसरी परिस्थितियों में कदाचित् दुकानदार या लारी चलाने वाला होता ।

बर्न्स : क्रूर और निर्दय गुंडा ।

मर्फी : उसका डरपोक साथी । चिंतित और भयभीत रहने वाला । परन्तु विशेष परिस्थिति में बर्बर ।

ग्रूबर : बुद्धिमान किसान । धीरे बोलता है परन्तु उत्तेजित होने पर तेजी से और जोरदार भाषण करता है ।

समय

आजकल

स्थान

अमरीका का कोई ग्रामीण कस्बा, जिस पर एक बड़ी व्यापारिक कंपनी का अधिकार है ।

पहला दृश्य

स्टोपा की बैठक

जो स्टोपा का दाहिने दरवाजे से प्रवेश । वह हाथ में एक बंडल लिए हुए है, जिसे वह बीच की मेज पर रखता है । इसके बाद वह अपना कोट उतारता है, और उसे कुर्सी पर लटकाने जा रहा है । ऐना रसोईघर से पुकारती है :

ऐना

जो, तुम हो ?

जो

हां, ऐना ।

ऐना

(स्टेज पर आकर) लाए सब चीजें ?

जो

हां, सब चीजें । (कोई दरवाजा खटखटाता है) कौन है ?

धरती हमारी है

ऐना

(अपने हाथों को गले में पड़े हुए कपड़े से पोंछती हुई)
ठहरो...में जाकर देखती हूँ । (वह दरवाजे की ओर जाती है ।
भयभीत और घबराई हुई आवाज में) ओह, तुम हो ? हूँ...जो
घर पर नहीं है ।

[यह स्पष्ट हो जाता है कि वह झूठ बोलने में पटु नहीं है ।]

लैंग

मिसेज स्टोपा, यह बुत्ता दूसरे को देना । अभी एक मिनट
हुए मेने उसे आते देखा है ।

ऐना

तो फिर.....(उपेक्षा से) वह तुमसे नहीं मिलना चाहता ।

लैंग

(कुछ परबाह न करता हुआ) वह नहीं मिलना चाहता, है ?
मैं कहता हूँ, मिलेगा कैसे नहीं । मैं एक बड़ी कम्पनी का प्रतिनिधि
हूँ । कौन मुझसे मिलने से इन्कार कर सकता है ?

ऐना

(अनुरोध से) देखो, किसी दूसरे वक्त आना, मिस्टर । जो
की तबियत ठीक नहीं है...

लैंग

तो उसे थोड़ा-सा रेंडी का तेल पिला दो । अब...हटो मुझे
आने दो ।

[इस बातचीत के बीच में जो का क्रोध धीरे-धीरे चढ़ रहा

है । वह दरवाजे की तरफ बढ़ता है, उसकी मुट्टियां बंधी हुई हैं, परन्तु कुछ कदम चलकर रुक जाता है ।]

ऐना

नहीं !

लैंग

तुम्हारा हुकम यहां न चलेगा । चलो, खोलो—(वह उसकी बगल से घुसकर कमरे में आ जाता है । जो को देखता है, और उसका सव्यंग अभिवादन करता है) कहो, जो ! कैसी तबियत है ?

जो

मैं कहता हूं कि अब यहां कभी कदम न रखना । (गुस्से से) तुम्हारा यहां कोई काम नहीं !

लैंग

देखो जो, यह भली बात नहीं । तुम्हें तो अब तक मुझको अपना एक पुराना दोस्त समझ लेना चाहिए था ।

ऐना

हम लोग तुम्हें नहीं पसन्द करते ।

लैंग

(तेजी से) समझ देखो, जो ! यह तुम्हें आखिरी मौका मिल रहा है । इससे लाभ उठाना, न उठाना तुम्हारा काम है । बंदर जैसी उछल-कूद बहुत न करो ।

जो

मैं कह चुका, नहीं, लाख बार नहीं ! मैं यहीं रहूंगा । यहां

धरती हमारी है

से हट नहीं सकता ।

लैंग

तुम इस कागज पर दस्तखत कर दो...नहीं तो तुम्हारी...
तुम्हारी खैरियत नहीं । बस, इतना बताए देता हूँ ।

जो

दो वर्ष से तुम आकर हमें बराबर धमकियां दे रहे हो ।
हमारा पीछा तुम क्यों नहीं छोड़ देते ? और न जाने कितनी
जगहें हैं, जिन्हें तुम्हारी कम्पनी खरीद सकती है । फिर तुम यहीं
पर बार-बार क्यों आते हो ?

लैंग

(बिगड़कर) क्या तुम समझते हो कि तुम्हारा पीछा करने
का मुझे कोई शौक है ? तुम खूब जानते हो कि कंसालिडेटेड
कम्पनी को तुम्हारे खेतों की क्यों जरूरत है !

जो

ठीक, मैं जानता हूँ ! लेकिन मैंने तुमसे पहले भी कहा,
और अब भी कहता हूँ—यह जगह बिकाऊ नहीं है ।

लैंग

(बैंक के नोटों की बड़ी गड्डी भीतर की जेब से निकालता है
और अभिनय के साथ मेज पर पटक देता है ।) देखो ! पूरे एक
हजार डालर हैं ! स्टोपा, किस्मत खुल जायगी ! न लो तो
पागल हो !

जो

पांच हजार डालर हों, फिर भी नहीं !

लैंग

तुम पागल हो !

जो

हमें तुम्हारा धन नहीं चाहिए । मैं जहां हूं बहुत खुश हूं ।

लैंग

(क्रोध से) जहन्नुम में जाय...यह भी कोई जिद है ? जैसी एक जगह, तैसी दूसरी । क्या भेद पड़ता...

जो

(बात काटकर) मेरे लिए भेद पड़ जाता है ।

लैंग

तुम्हारे खेतों के लिए हम इतनी चढ़ी हुई कीमत दे रहे हैं । हम यहां बड़े-बड़े काम करेंगे । ट्राली की पटरी निकालेंगे, लोगों को मजदूरी पर लगाएंगे । देश की संपदा बढ़ेगी । इन सब बातों का तुम्हें कुछ खयाल नहीं होता ?

जो

होता है अवश्य । लेकिन उससे भी अधिक मोह मुझे अपने घर का है (विचार करते हुए और धीमे, मार्मिक ढंग से) जब मैं पहले यहां आया था...चारों ओर जंगल था । सब कुछ मैंने अपने इन दो हाथों से ठीक किया । घर, खलिहान, चीपाल । पच्चीस वर्ष से हम यहां रह रहे हैं (बाहर वृक्ष की ओर उंगली दिखाता है) वह बड़ा पेड़ देखते हो ?

धरती हमारी है

लैंग

क्या मतलब है ?

जो

(उसी विचारधारा में) मैं इसे, जब यह नन्हा-सा था, अपनी जन्म-भूमि से लाया था । जब मेरा बड़ा लड़का पैदा हुआ तब मैंने इसे लगाया था !

ऐना

जो, इसे क्यों भूलते हो कि दूसरा तुमने मेरी के नाम पर लगाया था ?

जो

ठीक है—

लैंग

(ऊबकर) यह सब व्यर्थ की भावुकता है । क्या इसीलिए तुम यह जगह नहीं बेचना चाहते ?

जो

(हड़ता से) नहीं ! केवल यही कारण नहीं है ? लेकिन यहां की सभी चीजें ! सभी चीजें जो उग रही हैं ! सभी चीजें जिन्हें मैंने अपने हाथों बनाया है ! सभी चीजें जिन्हें मैंने धरती में रोपा है ! इन चीजों को देखकर मेरा मन प्रसन्न होता है । यही सब मुझे यहां खींच रही हैं । यही कारण है कि मैं तुम्हारी कंपनी से लड़ रहा हूं ।

लैंग

यह सब बातें मैं पहले भी सुन चुका हूं ।

जो

(कटुता से) जरूर तुम ने सुना है ! और फिर भी सुन लो । और दस हजार बार सुन लो । अब... निकल जाओ यहां से ! जाओ, और अपनी कंपनी से कह दो कि मैं अंतिम बार कह रहा हूं कि—नहीं ।

लैंग

तो यही तुम्हारा अंतिम उत्तर है ?

जो

(निश्चय से) हां ! बस ! मैं आगे बातें नहीं करना चाहता ।

लैंग

(मेज पर से नोट और कागज बटोरते हुए)—अच्छा, स्टोपा ! याद रखना तुम अपने सिर पर युद्ध का बुलावा दे रहे हो...

जो

हां, मैं जानता हूं । मैं आप लड़ाई लड़ चुका हूं । अमरीका के लिए मैं युद्ध के मैदान में गया हूं । मुझे डर नहीं है । अब हाकिम-वाकिम को हमारे यहां न भेजना । नहीं तो पहले भी मैंने उसे निकाल बाहर किया है, और फिर उसे घर के बाहर उठाकर फेंक दूंगा । मैं डरता नहीं हूं...

लैंग

(तीव्रता से) तुम हाकिम से डरते नहीं ? इस देश के कानून की तुम्हें परवाह नहीं, है न ?

धरती हमारी है

ऐना

(जल्दी से) जो, ऐसा न कहो। (लैंग से) डरते क्यों नहीं? जरूर...

जो

नहीं, मैं नहीं डरता। अगर वह फिर यहां आया, तो मैं...
मैं... (मानो शब्द ढूँढ रहा हो) उसकी नाक पिन्ची कर दूंगा...

ऐना

(रुआसी होकर) जो, चुप रहो, व्यर्थ की मुसीबत न बुलाओ।
ऐसी बातें करोगे तो शेरिफ फिर नाराज हो जायगा, और हमें
सताएगा।

लैंग

यह तुम्हारा पति समझता है कि हम लोग बस सेवा-समिति
वालों जैसे हैं।

ऐना

(लैंग से) कृपा करके माफ करो इन्हें। तुम जानते हो कि यह
कितने बेकाबू हो जाते हैं। मैं लड़ाई नहीं चाहती। कृपा करके,
मिस्टर, फिर आना। मैं भी इनसे बात कर रखूंगी और...

लैंग

फिर अब इस बात का अंत हुआ। यह दो वर्ष से हमारे
लिए सिरदर्द बने हुए हैं...

जो

और तुमने भी तो हमारा सिर खा डाला है ! तुम सिरदर्द
नहीं बने ?

लैंग

(उसके समीप झट आकर) अरे नहीं। तुम्हारा सिरदर्द अब शुरू होगा, स्टोपा ! हम बहुत सीधे बने रहे—अब जान लिया कि इससे काम न चलेगा... (दरवाजे की ओर बढ़ता है)...

जो

तुम क्या करने जा रहे हो ?

लैंग

तुम्हारे लिए सौगात भेजूंगा।

जो

(शान्त होकर) मैं तो तुमसे सीधे में पूछता हूँ, तुम क्या करने जा रहे हो ?

लैंग

तुम्हें कावसी की सेना का सेनापति बनाएंगे।

जो

(क्रोध को वश में करते हुए) अच्छा, मिस्टर लैंग। जो करना हो करो। सिर्फ अब यहां न आना आगे कभी...

लैंग

कौन कहता है ?

जो

मैं कहता हूँ। इस घर में तुम्हारी जरूरत नहीं है।

लैंग

हम तुम्हारे बुलावे की बाट नहीं देखते, स्टोपा। जहां जी

घरती हमारी है

चाहता है वहां जाते हैं ।

जो

मिस्टर, यहां न आना । तुम्हारी कंपनी ने हमारे लिए कम आफत नहीं कर रखी है । शायद तुम्हें मालूम नहीं कि तुम्हारे मिस्टर फिंगर मुझे पिटवाने के लिए गुंडे लगा चुके हैं...

लैंग

(आश्चर्य, फिर क्रोध से) तुम्हारा दिमाग फिर गया है ।

जो

(उसकी उत्तेजना बढ़ रही है) तुमने मुझे धमकाने के लिए पिछले महीने जेल में डाला था...

लैंग

किसने, मैने ?

जो

हां, तुमने । तुमने बदमाशों को भेजा, रात में सोते वक्त हमारे घर पर गोलियां चलाने के लिए—जिसमें हम सब डर जायँ...

लैंग

यह सरासर झूठ है !

जो

जरूर, तुम हमें पागलखाने में भेजने की कोशिश में रहे, जिसमें सब समझें कि मेरी अक्ल बहकी हुई है... तुम समझते हो हमें इन सब बातों का पता ही नहीं, है न ?

लैंग

(शान्त होकर, ऐना से) मिसेज स्टोपा, इनके/सिर की जांच होनी चाहिए। तुमने इन पर ध्यान न दिया तो इन्हें जंगले वाली कोठरी की हवा खाने की जरूरत पड़ेगी।

ऐना

(धीमे से, मुलायम होकर) मिस्टर, जो कुछ यह कहते हैं ठीक है। यह कभी झूठ नहीं बोलते।

जो

यह जानता है कि मैं सच कह रहा हूँ, ऐना, इसे बताने की जरूरत नहीं है। तो अब, मिस्टर लैंग, अपने मिस्टर फ़िगर के पास वापस जाइए, और कहिए कि मैं कहता हूँ कि तुम्हारी सारी फ़ूटी कम्पनी भाड़ में जाय।

लैंग

(आवेश को रोककर) अचछा, स्टोपा। आफत बुला रहे हो। तुम्हारे लिए मुश्किल न कर दें तो... (दरवाजे की तरफ़ जाता है)

ऐना

(डरी हुई) जो ! मानो ! फिर से सोच देखो ! हो सकता है तुम बड़ी गलती कर रहे हो ! जो ! सुनो !

जो

(चीखकर) दो साल से सुन रहा हूँ ! और सुनूंगा तो पागल हो जाऊंगा...

धरती हमारी है

ऐना

(आँसू भरकर) मैं लड़ाई नहीं चाहती, जो, मुझे बड़ा डर लगा रहता है।

जो

लड़ाई होने नहीं जा रही है। (लैंग से) बात अब खतम हुई।

लैंग

स्टोपा, इतनी तेजी से निशाना न लगाओ। अब जरा ठहरकर देखो कि कैसी लड़ाई तुम्हें लड़नी पड़ती है (बाहर जाता है)।

ऐना

(उसके पीछे भागकर जाती है) अरे मिस्टर ! लौट आओ !

जो

(अपनी पत्नी को रोकते हुए) ऐना ! ऐना ! जाने दो उसे।

ऐना

(एक क्षण दरवाजे पर ठहरकर धीरे से वापस आती है और अपना सिर पति के कंधे पर डाल देती है) जो...अब जरूर... यह उपद्रव करेगा...जरूर...

जो

(स्नेह-पूर्वक पत्नी का माथा चूमते हुए) ऐना, डरो मत, सब ठीक...सब ठीक ही होगा। बड़बड़िया है बस; धमकाने चला है कहीं का !

(परदा)

दूसरा दृश्य

फिगर का दफ्तर

फिगर

(फोन में बोलता हुआ) ठीक... भेज दो उसे। (लैंग उदास मुद्रा में प्रवेश करता है) आओ, लैंग। (लैंग सिर झुकाकर अभिवादन करता है) हां, तो क्या फैसला हुआ ?

लैंग

पासा पट पड़ा।

फिगर

(तेजी से) पासा पट से क्या मतलब ? दो वर्षों से यह काम तुम्हारे हाथ में है। यह मालूम है ?

लैंग

मैं जानता हूँ।

फिगर

तो क्या हम लोगों ने कोई खैराती समिति खोल रखी है ?

धरता हमारा ह

लैंग

मुझे खेद है, मिस्टर फिगर, मैंने भरसक जो हो सका उठा नहीं रक्खा; लेकिन—

फिगर

लेकिन-वेकिन तुम अलग रक्खो। हमें तो जमीन की जरूरत है, सफाई नहीं चाहता।

लैंग

(तीव्रता से) या यीशु ! मिस्टर फिगर ! कभी आपने किसी पागल आदमी से तर्क करने की कोशिश की है ?

फिगर

(शांतिपूर्वक) तुम्हारा काम है कि सभी तरह के आदमियों से तर्क करना जानो। तुम इसी के लिए पैसा पाते हो।

लैंग

मैं अपने काम में इससे पहले कभी नहीं चूका—चूका हूँ ?

फिगर

(धीमे से)—नहीं...इसी से तो अब हम तुमसे निराश हो रहे हैं। हम ने तुम्हें यह काम इसी लिए सौंपा कि तुम ने कहा था कि जिद्दियों से निपटना तुम्हारे लिए बाएँ हाथ का खेल है...

लैंग

हां, मैं जानता हूँ। लेकिन यह बिल्कुल नए ढंग का जिद्दी है।

फिगर

तुम्हारे लिए वह सिर दर्द बन गया ?

लैंग

आप हमें दोषी नहीं ठहरा सकते । मुझसे जो हो सकता था मैंने किया । मैंने अनुरोध किया, धमकी दी, सब्ज-बाग दिखाया—परन्तु यह हरामी स्टोपा कुछ सुनता ही नहीं...

फिंगर

उसे जबर्दस्ती सुनाना था ।

लैंग

मैं आपसे कह रहा हूँ कि इस आदमी का दिमाग फिरा हुआ है । सोचिए, कोई आदमी एक पेड़ के लिए इतना सनक जाय—सोचिए तो, एक पेड़ के लिए !—ग़ौर उसके सामने हजार की रकम पड़ी रहे ।

फिंगर

(क्रोध के आवेश में उठ खड़ा होता है) एक स्टोपा...चाहे पांच सौ स्टोपा हों ! (मेज पर हाथ पटकता है) हमें उन्हें मिटा देना है ! अगर एक तरह से हम सफल नहीं होते हैं, तो दूसरा उपाय करना ही होगा—

लैंग

यही तो मैंने उससे कहा । लेकिन क्या करें ?

फिंगर

(मुंह चटकारता हुआ) क्या करें ? बस, एक सीधे सवाल का सीधा जवाब है । डार्विन को पढ़ा है ?

लैंग

जब हाई स्कूल में था ।

धरती हमारी है

फिगर

याद है कि उसने 'योग्यतम की विजय' पर बहुत कुछ लिखा है। (लैंग सिर झुकाकर हामी भरता है) हम केवल उसके सिद्धान्तों को व्यापार के क्षेत्र में घटा रहे हैं। यदि यह बंदरों पर घटित होता है, तो लैंग, इसे हम पर भी ठीक उतरना चाहिए।

लैंग

क्यों नहीं ?

फिगर

सीधी-सी बात यह है कि तुम्हें इस दुनिया में अपनी फिक्र करनी चाहिए—

लैंग

मिस्टर फिगर, ठीक इतनी ही बात नहीं है। मेरे—

फिगर

(बात काटकर) एक बीबी है, दो बच्चे हैं, जिनकी चिंता करनी है। हां, मैं जानता हूँ। हम उनके बारे में सोच चुके हैं नहीं तो हमने कब का तुम्हें निकाल बाहर किया होता।

लैंग

(आहत होकर) इस कंपनी में मेरे पंद्रह वर्ष काम करने के बाद आपका यह खयाल है ?

फिगर

इन बातों का कुछ असर नहीं होता। व्यापार व्यापार है। यदि कोई आदमी अपना धंधा ठीक नहीं कर पाता तो हमें उसके

स्थान पर दूसरा आदमी रखना पड़ेगा, जो उस धंधे को ठिकाने लगा सके। मगर इतनी ही बात नहीं है। उस छोटे-से व्यक्ति की अपेक्षा तुम्हें एक बड़ी सुविधा यह है कि तुम्हारे पीछे एक बड़ा संगठन है। और जब बात निपट लेने की हो तो बड़ा संगठन परास्त होना स्वीकार नहीं कर सकता। मेरा संकेत समझे ?

लैंग

ठीक...

फिंगर

(उपदेशक के भाव में) चार्ली ऐबट ने कहा है कि जिस व्यापार में लाभ नहीं, उसके व्यापार होने में उतना ही संदेह है जितना कि अचार के मिश्री होने में ! लैंग, यह सहज-सी बात है। हमें अपनी सहज बुद्धि का उपयोग करना पड़ेगा।

लैंग

लेकिन पागल आदमी से नहीं !

फिंगर

(उत्तेजित होकर) पागल लोगों के लिए अलग संस्थाएं हैं। नहीं हैं ? अगर वे स्वतंत्र लोगों की भांति घूमते-फिरते हैं तो वे खतरनाक होते हैं। फिर उचित क्या है ? खतरनाक लोगों को मिटा देना चाहिए। समझे ?

लैंग

अवश्य, लेकिन---

धरती हमारी है

फिंगर

(बिना रुके हुए कहता जाता है) यह देश एक बड़ा देश है, क्योंकि बड़े आदमी छोटी बातों को अपने कार्य में बाधक नहीं होने देते। यदि मार्गन या राकफेलर या ड्रुपां जैसे लोग हर एक खप्ती और जिद्दी मूर्ख की बातें सुनते तो क्या आज दिन बड़े आदमी हुए होते ? मैं तुम से पूछता हूँ, होते ?

लैंग

मैं समझता हूँ न होते...

फिंगर

(अपनी अंगुलियों को तोड़ता हुआ) एक गधे की दृष्टि में होते, वह हमारे सेवक होते, बस। परंतु वह क्यों बड़े आदमी है ?

लैंग

इसलिए कि...

फिंगर

(टोक की परवाह न करते हुए) मैं तुम से बताता हूँ क्यों, इस लिए कि उनमें संगठन की मानसिक क्षमता है। अगर उनके मन में धन कमाने का विचार पैठा तो बस उसे लेकर बढ़े। और अगर कोई उनके काम में रोड़े डालता है तो उसे वे लोग मिटाकर छोड़ते हैं। और यही हमें भी करना चाहिए। लैंग ! हमारा संगठन पांच करोड़ डालर का संगठन है, और हम इस बात को बर्दाश्त नहीं कर सकते कि कोई जिद्दी टुकड़गदा हमें बताए कि यह करो, यह न करो।

लैंग

फिंगर, या तो काम सिद्ध करना या मर ही जाना चाहिए ।

फिंगर

बिल्कुल ठीक, मेरे मन की बात कही । लेकिन यहाँ मरने की कोई जरूरत नहीं । मैं चाहता हूँ कि काम होना चाहिए ! हम लोगों ने वास्तव में बहुत समय खो दिया । अब तो यह होना चाहिए—(वह अपनी मुट्ठी बांधकर हाथ आगे भिटकता है)

लैंग

(गुनगुनाते हुए) तो फिर हम यहां से कहां जायं ?

फिंगर

मैदान में, जहां गोलियां छूटती हैं ।

लैंग

(उछलकर) ठीक मैदान में बालचरों की भांति !

फिंगर

बालचरों की जरूरत नहीं, लैंग ! मैं चाहता हूँ कि सिपाहियों की भांति ! बंदूक, किरच, गोली-बारूद के साथ...

लैंग

आप सेना का मुझे सबसे वीर सिपाही पाएंगे ।

फिंगर

(मुस्कराते हुए) ऐसों की ही जरूरत है । पहले तुम शेरिफ से मिलो । उस काहिल को काम पर तैनात करो । अबतक वह और उसके सहकारी हमारी चेकों को भुना-भुनाकर मौज करते रहे हैं ।

धरती हमारी है

लैंग

किस ढंग से कार्रवाई होनी चाहिए ?

फिंगर

यह सोच निकालना तुम्हारा काम है ।

लैंग

(सिर झुजलाते हुए) यह काम देने लगा । (एक क्षण चुप रहकर, कमरे में टहलता है फिर एकाएक रुक जाता है) यह बताइए, क्या शेरीफ अगले महीने में ऐल्डरमैन बनने के प्रयत्न में तो नहीं है ?

फिंगर

हम लोग इसके बारे में विचार कर रहे थे । क्यों ?

लैंग

(उंगली तोड़ते हुए) कैसा अच्छा अवसर है !

फिंगर

बात क्या है ?

लैंग

(उत्तेजित होकर) बस अब इतने प्रश्न एक साथ न पूछ डालिए । यह एक भेद की बात है । बंदा अब काम पर जुटता है ।

फिंगर

क्या काम ?

लैंग

(तेजी से) क्या काम ? परसों अखबार में पढ़िएगा, तभी आपको पूरी कथा मालूम होगी (बाहर भागकर जाता है) ।

(परदा)

तीसरा दृश्य

शेरिफ का दफ्तर

प्रकाश पड़ता है : फ्रेड वेल्स एक डरपोक सहकारी, कुर्सी पर पैर डाले हुए बैठा है और पिछले रविवार का रंगीन हास्य-रस का पत्र पढ़ रहा है। शेरिफ डफी अपनी मेज पर है और एक रजिस्टर में कुछ लिख रहा है।

वेल्स

(दबी हंसी हंसते हुए) जेस, तुम जानते हो आजकल रविवार के हास्यरस के पत्र कितने मनोरंजक होते हैं ?

डफी

(कुछ रुखाई से, सिर बिना उठाये हुए) क्या मनोरंजक होते हैं, जी ?

वेल्स

अब तो वह बड़े लोगों के पढ़ने के लिए होने लगे हैं। मुझे

धरती हमारी है

याद है, पहले उन्हें केवल बच्चे पढ़ा करते थे ।

डफी

अब भी वह बच्चों की चीजें ही हैं ।

वेल्स

नहीं जेस, ऐसी बात नहीं । इन हास्यरस के पत्रों में बड़ी सूचनाएं और शिक्षा की बातें भरी होती हैं । भेद केवल इतना है कि इन्हें वह शब्दों में न कहकर तस्वीरों द्वारा कहते हैं ।

डफी

(हंसते हुए) क्या इसीलिये तुमने कालिज की शिक्षा नहीं प्राप्त की ?

वेल्स

तुम हंसना चाहते हो तो हंस लो । लेकिन मैंने एक बार पत्रों में पढ़ा था कि प्रेसीडेंट कूलिज ने इन रविवार के हास्यरस के पत्रों के विषय में कहा था कि वह वास्तविक जीवन के चित्र होते हैं । और तुम्हें मानना पड़ेगा कि प्रेसीडेंट कूलिज अहमक नहीं थे.....

डफी

मैं कुछ नहीं मानता ।

वेल्स

तुम्हें इतनी जिद क्यों है ! मैंने यह बात अपनी दोनों आंखों से पढ़ी है ।

डफी

मैं जिद्दी नहीं हूँ । लेकिन, मेरी अपनी राय भी हो सकती है ।

वेल्स

अवश्य, लेकिन—

डफी

मैं हमेशा कहता हूँ कि यदि आदमी बड़ा होना चाहता है तो उसे अपने को शिक्षा देनी चाहिये । उसे गंभीर अध्ययन करना चाहिए जैसे.....जैसे (शब्द डूढ़ रहा है) संपादकीय लेख..... और इस प्रकार की चीजें । मैं इन्हें पढ़ता हूँ । इसी से तो मैं अपने स्वतन्त्र विचार रख सकता हूँ ।

वेल्स

प्रेसीडेंट कूलिज भी अपने स्वतंत्र विचार रखते थे.....

डफी

(बात काटते हुए) ठीक । इसी से तो वह इतने बड़े आदमी हुए ।

वेल्स

(विजय अनुभव करते हुए) और वह भी हास्यरस के पत्रों को पढ़ा करते थे ।

डफी

(खीभकर) अच्छा, तो तुम प्रेसीडेंट कूलिज नहीं हो ।

वेल्स

(भेंपा हुआ) मैं जानता हूँ, जेस । वह मर चुके हैं !

धरती हमारी है

डफो

(ऊंचे स्वर में) मर गए हों, चाहे जिन्दा हों ! तुम प्रेसीडेंट कूलिज नहीं हो ! (मुलायम पड़ते हुए) जो कुछ मैं कहता हूँ वह यह है कि यदि तुम ऊंचे हाकिम बनना चाहते हो तो तुम्हें अपने को शिक्षित बनाना होगा । अज्ञान के बल पर तुम कुछ नहीं कर सकते । अब्राहम लिंकन को देखो.....

वेल्स

लेकिन, जेस, मैं कोई हाकिम नहीं हूँ । मैं तो केवल एक-दूसरे दर्जे का सहकारी हूँ ।

डफी

कौन कहता है जी कि तुम हाकिम नहीं हो ? जैसे मैं और अन्य मुझ जैसे लोग हाकिम हैं, वैसे ही तुम भी हो—

वेल्स

चाहे मेरा काम तुम्हारी और बर्न्स की डाक ढोना ही क्यों न हो ?

डफी

इससे कोई फरक नहीं पड़ता । अगर तुम्हारे पास एक बिल्ला है, और बन्दूक है, तो तुम सरकारी आदमी हो ; अगर केवल बंदूक है तो सरकार के दुश्मन हो । मैं तो यह जानता हूँ ।

वेल्स

तो मैं हुआ... (फोन की घंटी बजती है) ।

डफी

सुनो, कौन है ।

वेल्स

(फोन उठाकर) शेरिफ के दफ्तर से बोल रहा हूं । '...हां, वह मौजूद हैं । एक मिनट ठहरो । जेस, तुम्हें कोई बुला रहा है । (लौटकर अपना हास्यरस का पत्र पढ़ने लगता है)

डफी

(फोन उठाकर) मैं हूं शेरिफ डफी । कौन ? क्या है, जी ? (फोन का मुंह हाथ से ढंककर, वेल्स की तरफ फिरकर) जानते हो कौन है ? वही चीलर यहूदी है, अपने फूलों के बारे में फिर बक रहा है । (उसके नाम पर वेल्स उठ खड़ा होता है, और बातों की तरफ ध्यान देता है । डफी फोन में मुंह लगाता है ।) तो क्या हुआ ? भाड़ में जायं वह । अगर हमारे आदमी रूलाने वाली गैस के बम फेंकने का अभ्यास करते हैं, तो उन्हें रोका नहीं जा सकता । क्या कहा ? देखो, सुनो वीस, मुझे इसकी दमड़ी भर परवाह नहीं कि तुम अमरीकन नागरिक हो । यदि बमों की बू से तुम्हारे बच्चे बीमार पड़ते हैं तो वह जगह छोड़कर दूसरी जगह बसो । शहर गुंडों से भरा हुआ है । उन्हें देखू कि तुम्हारी पैन्जियों को । (आवेश के साथ फोन रख देता है) मैं इसे सबक देना चाहता हूं । जाओ तो इस उल्लू के घर पर और इसकी यह घासें उखाड़कर फेंक दो । ज्यादा शोर मचाएगा तो हम कह देंगे कि बच्चों ने उखाड़ा होगा ।

धरती हमारी है

वेल्स

(संकोच-पूर्वक) हां, देखो, जैस.....में सोच रहा था...

डफी

(उसकी ओर तेजी से मुड़कर) तुम क्या ?

वेल्स

(डरता हुआ) मैं सोच रहा था.....शायद यह बात ठीक न हो कि मैं जाकर उसके फूलों को नष्ट कर डालूं। जैस, यह... कानून के विरुद्ध बात होगी।

डफी

इस कस्बे में कानून मैं हूं।

वेल्स

(शीघ्रता से)—मैं यह कब कहता हूं कि तुम नहीं हो, जैस ? मुझे केवल उस बेचारे पर दया आती है। जब से उसकी बीबी मरी है, तब से वह इन फूलों की बच्चों की भांति देख-रेख कर रहा है...

डफी

(व्यंगपूर्वक) तो मैं फूट-फूट कर रोजं न !

वेल्स

(विश्वास दिलाने का प्रयत्न करते हुए) वह बहुत ही भला आदमी है...यह बीस। देखो, जैस, तुम उसे बुलाकर डांट क्यों नहीं देते ?...जानते हो, बड़ा दुखी है। इसके बाद वह तुम्हें तंग न करेगा।

डफी

(तीव्रता से) तुम्हारी सलाह की मुझे जरूरत होगी तो मैं कहूंगा । (उसकी गर्दन पर हाथ देता है) अभी जाओ । मैं हुकम दे रहा हूँ । फौरन चलो ! (उसे ढकेलता है)

वेल्स

(कोट का कालर सम्हालता हुआ) अच्छा, जैस, जा रहा हूँ । तुम अफसर हो, जो कहोगे करूंगा ।

डफी

नालायक, हूँ तो !

वेल्स

लेकिन तुम जानते हो कि मुझे कैसा लग रहा है ?

डफी

तुम कह रहे हो या सवाल पूछ रहे हो ?

वेल्स

(नम्रता से) कह रहा हूँ ।

डफी

भूल जाओ ।

वेल्स

(दरवाजे पर रुकता हुआ) जो भी हो, मैं इसे पसंद नहीं करता । यह बात मेरी भली प्रकृति के विरुद्ध पड़ती है, सच तो यह है ।

डफी

(कड़ाई से) सुनो जी ! जब तक तुम हमारे यहां काम करते

घरती हमारी है

हो, तब तक अपनी भली प्रकृति घर पर छोड़ आया करो। मैंने अपने यहां रविवार का स्कूल नहीं खोल रक्खा है। अब फौरन चल दो। (वेल्स बाहर जाता है। डफी दरवाजे की तरफ थूकता है।) मैंने भी कंसा गधा सहकारी चुन रक्खा है !

[वह बगल के दरवाजे से जाता है और कुछ सेकेंड बाद अपनी गर्दन तौलिये से पोंछता हुआ बाहर आता है। लैंग धीमे से चोर की भांति प्रवेश करता है और क्षण भर डफी को देखता रहता है। वह इस स्थान से बिल्कुल परिचित और अपने से संतुष्ट जान पड़ता है। वह मुस्कराता है और कमरे में डफी के और निकट आता है।]

लैंग

हेलो शेरिफ ! अकेले हो ? (हाथ बढ़ाता है)

डफी

(तेजी से घूमता है, क्षण भर के लिए स्तंभित होता है, फिर अत्यंत मीठे स्वर में बोलता है) अच्छा, हेलो मिस्टर लैंग ! कंसे भूल पड़े ?

लैंग

तुम अनुमान कर सकते हो। (डफी किंचित् विचलित होकर हंसता है) कहां गया वह आदमी जो फोन पर रहता है ?

डफी

वेल्स ?

लैंग

हां, उसी को पूछता हूँ ।

डफी

एक काम से गया है (आंखें मारता हुआ) तुम जानते हो,
सरकारी नौकरी ठहरी ।

लैंग

अच्छा हुआ । मैं तुम से एकांत में और चुपके-से मिलना
भी चाहता था ।

डफी

यह ठीक जगह है, बस ! अपने को कब्रगाह जैसे सुनसान
में समझो । क्या मामला है ?

लैंग

(बैठता हुआ) बात यह है, शेरिफ, मुझे बराबर घूमते-फिरते
रहना पड़ता है ।

डफी

(हँसकर) तुम कंपनी वालों की चैन है । बस घूमते-फिरते
रहो और दुनिया देखते रहो.....

लैंग

हां, जहाजवालों की तरह । लेकिन, इस वक्त मैं खास कर
तुम से मिलने आया हूँ ।

डफी

(विचलित भाव से) बहुत अच्छा है ।

धरती हमारी है

लैंग

(सिगरेट बढ़ाते हुए) पियोगे ?

डफी

क्या मुजायका ? धन्यवाद । (सिगरेट जलाता है)

लैंग

(बहुत धीमे और निश्चयात्मक ढंग से, सिगरेट का कश लेते हुए) कल फिंगर और और साथियों से बात चल पड़ी । उन्होंने कहा तुम्हें ऐल्डरमैन बनाने में जरा पशोपेश है...

डफी

(शांत होने का प्रयत्न करता हुआ) क्या वह यह सन्देह कर रहे हैं कि मैं उनका साथ न दूंगा ? हैं ?

लैंग

(तेजी से) नहीं जी ! वह खूब जानते हैं कि तुम भले आदमी हो ।

डफी

तब आपत्ति क्या है ?

लैंग

मैं तुम से साफ-साफ बताऊं, क्षेरिफ ! उन्हें ऐसा ख्याल है कि ऐल्डरमैन का काम तुम्हारे बूते का नहीं...

डफी

(आवेश में) तुम्हारा मतलब क्या है जी ?

लैंग

(कन्धों को उचकाते हुए) जो उन्होंने कहा, मैं तो वही कह रहा हूँ ।

डफी

(तनकर) अच्छा मिस्टर लैंग, तुम्हीं बताओ, उन्हें डर किस बात का है ?

लैंग

‘डर’ ठीक शब्द नहीं है, शेरिफ ! उन्हें तुम पर शर्म आती है । अपने महत्त्वपूर्ण पद की तुम प्रतिष्ठा नहीं बढ़ा रहे हो । लज्जा इस बात की है...

डफी

(विशेष आवेश में) उसे जाने दो । यह बताओ मैंने कौन-सा ऐसा काम किया ?

लैंग

सवाल दूसरा ही है—वह यह कि तुम से क्या नहीं बन पड़ा ।

डफी

वह हमारा कारनामा देख सकते हैं ।

लैंग

देखा है, तभी तो । उनका कहना है कि ऐसे बेकार आदमी को वह हरगिज ऐल्डरमैन नहीं चुन सकते !

डफी

(खड़ा हो जाता है) क्यों ?.....बदमाश है सब के सब !

घरती हमारी है

लैंग

(शांत भाव से) शेरिफ, उन पर व्यर्थ बिगड़ते हो। वे केवल लोकमत के सामने घुटना टेक रहे हैं।

डफी

लोकमत, खाक ! वह मेरी तरक्की रोकने में लगे हैं !

लैंग

(आश्चर्य दिखलाते हुए) मुझसे क्यों उड़ रहे हो ?

डफी

उझं किस बात पर ?

लैंग

(उसी भांति) शेरिफ, जरा ठहरो। साफ-साफ कहो। क्या तुम मुझसे यह कहना चाहते हो कि तुम यहां बैठे हो और तुम्हें इस बात का पता नहीं कि बाहर क्या हो रहा है ?

डफी

मुझे अपने धंधे से मतलब है—यदि यही तुम कहना चाहते हो।

लैंग

अब मैं समझ रहा हूं कि क्या बात है। बाहर जो बातें हो रही हैं अगर तुम उन्हें सुनते, तो तुम्हें पता चलता कि शहर के सब लोग तुम्हारे ऊपर हंस रहे हैं ! जिस तरह तुम स्टोपा के मामले को ढील दे रहे हो...

डफी

हे यीशु ! उस पाजी का नाम मैंने फिर सुना तो पागल हो जाऊंगा ।

लैंग

अच्छी बात है, शेरिफ, लेकिन मैं बता दूँ कि तुम्हारे चुनाव में यदि कोई बाधा डाल रहा है तो यह वही आदमी है ।

डफी

(तिरस्कार-पूर्वक) कौन ? वह पिद्दी ?

लैंग

हाँ, वह पिद्दी ।

डफी

तुम्हारी बात पर हंसी आती है ।

लैंग

हंसी तुम्हारी उड़ रही है । वह धूम-धूमकर सब से कह रहा है कि तुम बुजदिल हो, और...

डफी

(उछलता हुआ) क्या कहा ?

लैंग

(स्थिरता-पूर्वक) बुजदिल हो । और अगर तुम फिर उसके यहाँ दिखाई पड़े तो कान पकड़कर वह तुम्हें निकाल देगा ।

डफी

उसकी ऐसी हिम्मत ?

धरती हमारी है

लैंग

मैंने अपने कानों से सुना है ।

डफी

गंदा कुत्ता कहीं का ! मैंने कब का उसको कुचल कर रख दिया होता ! केवल कंसालिडेटेड कंपनी का खयाल था कि लोग कहेंगे कंपनी ने मुझे घूस देकर उस पर...

लैंग

इन सड़ी बातों में क्या धरा है, शेरिफ ? अब तुम्हें उठना चाहिए, और अपने नाम की कालिख को धोना चाहिए । तुम्हारे जैसे बदनाम आदमी को कोई ऐल्डरमैन चुन नहीं सकता !

डफी

(कुछ ठहरकर) कब उनकी मीटिंग हो रही है ?

लैंग

आज रात में ।

डफी

(पतलून कसता हुआ) तुम उनसे कह देना कि मैं इस सुअर को देख लूंगा—ऐसा, कि वह भी याद करे । उन्हें उसकी कुछ चिंता करने की आवश्यकता नहीं । मैं उसकी ऐसी खबर लूंगा कि उसका मुंह ही बन्द हो जाय ।

लैंग

उन लोगों को ठीक करने का मेरा जिम्मा—लेकिन तुम अपना काम न भूल जाना ।

डफी

(चिढ़कर) मैं नहीं भूल सकता ।

लैंग

(उत्तेजित होकर) नहीं, तुम नहीं भूल सकते । लेकिन स्टोपा के लिए तुम्हारे पास दो वर्ष से इजलास का वारंट रक्खा हुआ है । तुमने उसके लिए क्या किया ? तुम भी सब की तरह दुम दबाए हुए हो । और मैं बताऊँ, क्यों ? सच बात यह है कि तुम बड़ी भलमंसी दिखाते रहे हो । शेरिफ, ऐसे आदमियों से भले बनकर काम नहीं चला करता । वह तुम्हारी भलाई का लाभ उठाते हैं ।

डफी

अब मैं भलाई से बाज आया । मैं बताऊंगा बच्चा को कि घूम-घूमकर मेरी बदनामी करने का क्या नतीजा होता है । (वह अपने पिस्तौल को चमड़े के खाने से निकालता है और हवा में साधता है) जब मैं उसके सिर को इससे चूर करूंगा तब उसे मुझपर हंसने का मजा मिलेगा !

लैंग

(अशांत होकर) भाड़ में जाय उसका सिर ! हम तो उस की जमीन चाहते हैं ।

डफी

(तेजी से) तुम्हें मिलेगी वह !

धरती हमारी

लैंग

(उठकर) कब ? दो वर्ष से तो हम इस इंतजार में हैं ।

डफी

कल वह तुम्हारे हाथ में आई समझो ।

लैंग

(घबराहट और उत्सुकता से विचलित) क्या इसे मैं वादा समझूँ ?

डफी

इसे निश्चय समझो । मैं अपने चुनाव को नहीं खोना चाहता । उस...

लैंग

(जल्दी से परंतु स्थिरता से) चुनाव की चिन्ता न करो । (धीमे से) तुम स्टोपा को निकालो—और हम लोग तुम्हें इन लेंगे ।

डफी

(हंसता हुआ हाथ बढ़ाता है) कह देना यारों से, काम पक्का समझें ।

(परदा)

उसी दिन संध्या समय

वही दृश्य

डफी पीछे के कमरे स प्रवेश करता है। वह अपना हाथ एक तौलिये से पोंछ रहा है। मर्फी कमरे में अचानक आता है; वह कोट हाथ में लिये हुए है; जल्दी से डफी से 'हेलो' कहता हुआ पीछे के कमरे में चला जाता है। डफी क्षण भर के लिये चौंकता है फिर उसके पीछे घूरने लगता है। बर्न्स लड़खड़ाता हुआ आता है।

बर्न्स

अरे जेस !

डफी

(मर्फी की दिशा में सिर हिलाते हुए) क्या ? आखिर इसे हुआ क्या है ?

धरती हमारी है

बर्न्स

अरे वह ठीक हो जायगा ।

डफी

(क्षण भर रुककर मानो परिस्थिति सम्भ्रने का प्रयत्न कर रहा हो) मेज पर से लेकर पहले एक प्याला ढालो ।

बर्न्स

धन्यवाद ।

[एक प्याला भरता है और उसे गले के नीचे उतार जाता है । इस बीच में वेल्स दरवाजे में दिखाई देता है । वह बीमार-सा लग रहा है । धीरे-धीरे वह कमरे में आकर कुरसी पर गिर पड़ता है ।]

वेल्स

(क्षीण स्वर से) हेलो, जेस (डफी उसकी ओर घूरता है । उसके बाद बर्न्स की ओर घूरता है) मिला वह ?

बर्न्स

(कुरसी पर पैर फैलाते हुए) हूँ । ठीक जब वह अपनी प्रेमिका के घर से निकल रहा था ।

डफी

किसी ने तुम्हें उस पर हमला करते तो नहीं देखा ?

बर्न्स

चिंता न करो; किसी ने हम लोगों को नहीं देखा । उसे हम लोग एकान्त में ले गये और फिर उस पर जुट पड़े । वह चीलर-दिमाग ऐसा चीखा कि बस (ठहाका लगाता है) लेकिन

एक मील के भीतर उसकी आवाज किसीने सुनी न होगी ।

डफी

(मुंह चटकारता हुआ) मजा आ गया होगा ?

बर्न्स

अवश्य...तुम कहीं उसकी चीख सुनते !

डफी

क्या तुमने उसकी खोपड़ी पर सामने से वार किया ?

बर्न्स

हां, ठीक जैसा तुमने बताया था । उसके बाद मैं उसके बाप के यहां पहुंचा ; और मैंने कहा कि तुम्हारे बेटे की खबर ले ली गई है—ऐसी, जो कि पहले ही ले ली जानी चाहिए थी ।

डफी

(चिंतित स्वर में) उसने तुम्हारी आवाज तो नहीं पहचानी ?

बर्न्स

(हंसते हुए) अजी नहीं ? मैंने ऐसी आवाज बनाई कि विदेशी जान पड़ूं । तुम जानते हो मुझे बहुत ठीक अंग्रेजी बोलनी आती भी नहीं । वह नहीं समझ पाया कि मैं कौन हूं ।

डफी

(घूमकर सबकी ओर देखते हुए) शाबास, यारो बड़ा ठीक काम किया ! मैं शर्त के साथ कहता हूं कि वह बुड्ढा खूसट अब समझेगा कि हम भी किसी बात पर तुले हुए हैं ! मुझे डरपोक कहने का मजा चखा दूंगा ।

धरती हमारी है

बर्न्स

जो बात आज की, वह हमें दो साल पहले ही कर डालना था ।

डफी

(अधीरता से) अच्छा, अच्छा, अब तो हो गई । कल इस कांड को खतम ही कर देना होगा ।

बर्न्स

कल गुडफ्राइडे है ।

डफी

इससे क्या होता है ? कानून तो चलता ही रहता है ।

[मर्फी अपने कोट को गीले रुमाल से तेजी से रगड़ता हुआ प्रवेश करता है, वह ठीक बर्न्स के पास आकर खड़ा होता है ।]

मर्फी

(क्रोध से) एक गैलन गरम पानी में इस पर डाल चुका । लेकिन इसकी बदबू दूर नहीं होती ।

बर्न्स

मैं भला क्या जानता था कि वह कै कर देगा ? कोई उसके दिमाग के भीतर तो बैठा नहीं था ।

मर्फी

(तीव्रता से) तुम्हें जानना चाहिए था कि किसी गधे के पेट में उसके खाना खाने के बाद ठोकर लगाने का क्या परिणाम होता है । मेरे बदन में बू भिनी जा रही है ।

वैल्स

मर्फी, उसपर थोड़ा-सा सेंट डाल लो । इससे बू मारी जायगी...

बर्न्स

(घूमकर उंगली से दिखाते हुए) अच्छा, यह देखो कौन बातें कर रहा है। सो चुके तुम ?

डफी

क्या हुआ इसका ?

बर्न्स

यह करीब-करीब गश खाकर हम लोगों पर गिरा था।

वेल्स

मैं...

बर्न्स

(उसे अलग करता हुआ) मुझे कहने दो, वेल्सी। तुम कहोगे तो बीच में फूटकर रोने लगोगे। जैस, उधर हम अपने मेहमान से जरा निपट रहे थे, इधर हमारे इस साथी को मारे भय के मिरगी आने लगी...

मर्फी

अजी, यह बराबर एक पेड़ के पीछे छिपा जा रहा था।

वेल्स

(तीखेपन से) इन लोगों को उस बेचारे के पेट में ठोकरें लगाते देखकर मेरा जी गिनगिना उठा। मैं उसे बिल्कुल सहन न कर सका...

बर्न्स

(व्यंग-पूर्वक) देखो है न यह बुरी बात ? मालूम पड़ता है अब हम से तुम आगे बोलना बंद कर दोगे, जानी।

धरती हमारी है

मफी

सुनो, जेस ! अगर आगे तुम हमें किसी काम पर लगाते हो, तो इस बुद्धू को अपने पास रखना । इसे देखकर मेरा जी घबरा जाता है ।

वेल्स

इन की बात न सुनो, जेस, हमने अपना काम किया...

वर्न्स

जरूर । इसने उस लौंडे को अपना रूमाल आंसू पोंछने के लिए दिया ।

मफी

यह सहकारी बना है कहीं का ! इसे तो दूध पिलाने वाली गाय होना चाहिए था ।

डफी

अच्छा यारो, खतम भी करो । बात कुछ भी नहीं है, बेचारा भले स्वभाव का है ! उससे कोई खतरा नहीं है । कि है, फ्रेड ?

वेल्स

जेस, तुम मुझे अच्छी तरह जानते हो । मुझ से बहुत गुंडई नहीं होती । जब मैं बच्चा था तभी से...

डफी

(हाथ से उसका मुंह रोकते हुए) खैर जाने दो, यारो । अगरली बार इतना बोदापन न करेगा । (मफी और वर्न्स एक दूसरे से आंखों से इशारा करते हैं) फ्रेड, जब फिर इन लोगों के

साथ जाने का मौका हो तो एक-आध बोतल ठर्रा चढ़ा लिया करो, बस फिर तुम ठीक रहोगे !

मर्फी

जरूर । बोतल देना—और उसमें दूध पीने वाला रबड़ भी लगा देना । (बर्न्स और मर्फी ठहाका मारकर हंसते हैं)

डफी

अच्छा, यारो, बस भी करो ! (वे लोग फ़ौरन चुप हो जाते हैं) हमें और भी जरूरी काम करने हैं । सुनो, मित्रो । यह स्टोपा वाला काम हमें ठीक-ठीक निबटाना ही होगा । मैंने मिस्टर लैंग को जबान दे दिया है कि कल तक इसे हम पूरा कर देंगे अब उनके सामने हमें झूठा न बनना पड़े । समझे यारो ?

वेल्स, मर्फी, बर्न्स

अजी नहीं, जेस ।

डफी

सभी कह रहे हैं कि हमने इस पाजी को बड़ी तरह दी । अगर हम उसे जताते नहीं कि हाकिम क्या होता है तो बस सरकार उसी के हाथों की बन गई ।

बर्न्स

(थूकते हुए) बस कल तक और उसकी सरकारी चल ले ।

डफी

देखो, काम करने का ठीक ढंग मैं बताता हूँ । मैं चाहता हूँ कि कल तीसरे पहर तुम लोग यहां आ जाओ, पांच बजे बर्न्स यहीं पर...

(बातों के बीच धीरे-धीरे पर्दा गिरता है)

चौथा दृश्य

स्टोपा की बैठक

ना सोफे पर लेटी हुई है। मेरी मेज पर एक पुस्तक पढ़ रही है। उसके पास ठंडे पानी की एक चिलमची रखी हुई है। उसी के पास एक गोला तौलिया भी रखा है। जरा-जरा-सी देर में वह पढ़ना बंद कर के लेटी हुई मा की तरफ देखती है। कुछ मिनटों बाद ऐसा हल्की-सी करवट लेती है और आंखें खोलती है। मेरी उठकर तौलिया लेकर उसके पास जाती है, और वहीं बैठ जाती है।

मेरी

अब कुछ तबियत अच्छी है, मा ? (वह तौलिया भा के सिर पर रखती है)

ऐना

(आँखें ऊपर करके और मेरी के हाथ को सहलाते हुए) हां, मेरी, हां । (कुछ ठहरकर) क्या बजा होगा ?

मेरी

सत्रा पांच बजे हैं ।

ऐना

इतनी देर हो गई ?

मेरी

तुम सारा दिन सोती रही हो ।

ऐना

(फिर कुछ रुककर) मेरे सिर में बड़ा दर्द हो रहा है ।

मेरी

हां, मा, मैं जानती हूं तुम चूल्हे के पास गिर पड़ी थीं । जब मैं दौड़कर आई तो तुम जमीन पर गिरी हुई थीं.....और तुम्हारे सिर से खून बह रहा था...

ऐना

(हँसने का प्रयत्न करते हुए) देखो तो, मुझे यह भी ध्यान नहीं आ रहा है ।

मेरी

(भुक्कर मा का चुम्बन करती है) मा, तुम्हें कैसे ध्यान आ सकता है ? तुम तो बेहोश हो गई थीं ।

धरती हमारी है

ऐना

(आश्चर्य भरे स्वर से) तो क्या मैं मूर्च्छित हो गई थी ?

मेरी

हां.....लेकिन उसका ध्यान न करो मा । समझीं । थोड़ी
दूर और सो रहो ।

ऐना

(ठहरकर) क्या डाक्टर आया था ?

मेरी

अभी तो गया है । कहता था कि अलेक एक महीने में ठीक
हो जाएगा । उसे बस बिस्तर पर पड़ा रहना चाहिए ।

ऐना

(मानो अपने से बातें कर रही हो) जब पापा उसे लाए—
उसके खून निकल रहा था—मानो उस पर गाड़ी चल गई हो...

मेरी

देखो, मा...

ऐना

(उसी भांति) मैंने इतना खून कभी नहीं देखा । कभी
हीं...सारे जीवन में नहीं ।

मेरी

मा ! क्या करती है ? तुम फिर बीमार हो जाओगी ।

ऐना

(चौंककर) पापा ! कहां हैं पापा ? मेरी, पापा कहां हैं ?

मेरी

मां, लेटी रहो । पापा अच्छे हैं । ऊपर अलेक के पास हैं ।

ऐना

(अविश्वास प्रदर्शित करती हुई) वह तो बाहर गए थे ।

मेरी

मेरी बात का विश्वास नहीं, तुम्हें ? ठहरो, मैं जाकर उन्हें बुला लाती हूँ । (वह जाती है । एक क्षण बाद वह जो को लेकर आती है) । देखो, पापा यहां हैं । बिल्कुल अच्छे हैं ।

[जो निकट आकर ऐना का चुंबन करता है ।]

ऐना

(लेटे-लेटे) मुझे बड़ा डर लगता है, जो । मैंने खयाल किया तुम बाहर न गए हो ।

जो

नहीं, ऐना, मैं कहीं नहीं गया था । मैं तो बराबर अलेक के पास रहा ।

ऐना

वह तब से अच्छा है न ?

जो

इसी मिनट उसकी आंखें लगी हैं ।

बरती हमारी है

ऐना

तुम अपना कोट क्यों पहने हुए हो, जो ? कहीं जाने वाले हो ?

जो

मैंने सोचा जरा सड़क तक जाकर देख आऊं कि ग्रूबर आ रहा है कि नहीं...

ऐना

ग्रूबर ? यहां ?

जो

हां, मैंने एक घंटा हुआ, उसे कहा था यहां आने को...

मेरी

तुम सो रही थीं, माँ । पापा ने तुम्हें जगाना नहीं चाहा ।

ऐना

ओह...

जो

मैंने उसे अलेक की घटना बताई थी ।

ऐना

क्या कहा उसने ?

जो

उसने कहा कि मैं अभी आता हूँ ।

ऐना

तुमने ग्रूबर को बुला लिया, अच्छा किया, जो । वह तुम्हें

ठीक-ठीक बतावेगा कि शेरिफ फिर आए तो उससे क्या कहना चाहिए ।

जो

हां, मैं शेरिफ को बहुत नाराज नहीं करना चाहता ।

ऐना

लेकिन बाहर न जाना, जो । तुम्हारे जाने के खयाल से मुझे बड़ा डर लगता है...

जो

कोई डर नहीं है । मैं सिर्फ पांच मिनट के लिए जाऊँगा ।

ऐना

नहीं जो, मानो । तुम यहां न रहोगे तो मुझे बड़ी चिंता बनी रहेगी । कौन जाने शेरिफ तुम्हारी टोह में बाहर खड़ा हो ?...

जो

अरे ऐना, तुम बच्चों जैसी बातें करती हो...

मेरी

(जो खिड़की से बाहर झांक रही थी) लो, गूबर आ गया है अब, पापा ।

जो

(आश्वासित होकर) देखो ऐना, इस तरह डरने से काम न चलेगा ।

ऐना

यहीं बातें करो, जो ।

धरती हमारी है

जो

यहां पर ? लेकिन तुम...

ऐना

(तेजी से) मैं भी सुनना चाहती हूं । नींद तो मुझे आ नहीं रही है ।

[मेरी दरवाजा खोलने के लिए दौड़कर जाती है । ग्रूबर का प्रवेश ।]

ग्रूबर

हेलो, मेरी ।

मेरी

हेलो, ग्रूबर । हम लोग तुम्हारा इंतजार कर रहे थे !

ग्रूबर

देर हो गई मुझे ।

जो

हेलो, ग्रूबर । बड़ी खुशी हुई कि तुम आ गए ।

[दोनों हाथ मिलाते हैं]

ग्रूबर

हेलो, जो । अलेक कैसा है ?

जो

उसे नींद आ गई है ।

ग्रूबर

(ऐना के पास जाकर) और तुम ऐना, तुम्हारी तबियत

कैसी है ?

[वह ऐना के सिर के नीचे का तकिया ठीक करता है ।]

ऐना

(मन्द मुस्कराहट के साथ) कुछ अच्छी हूं, ग्रूबर । धन्य-वाद । यही है कि जब खड़ी होती हूं...तो सिर में बहुत ही चक्कर आने लगता है ।

ग्रूबर

तुम बहुत जल्दी ठीक हो जाओगी । बस कोई चिंता न करो । सब ठीक हो जायगा ।

ऐना

(आह भरकर) ग्रूबर, मैं चिन्ता नहीं करती, मुझे हरदम रुलाई आती है ।

जो

तुम्हें रोना नहीं चाहिए, ऐना । मैं कहता हूं, सब ठीक हो जायगा ।

ऐना

(आंसू भरकर) कब ठीक होगा, जो ? जब मैं कब्र में पहुँच जाऊंगी !

ग्रूबर

ऐना, तुम्हें ऐसा खयाल मन में न लाना चाहिए, उनकी मजाल नहीं कि वे अब आगे कुछ करें...

धरती हमारी है

जो

लेकिन जो कर लिया वह क्या काफी नहीं हुआ ? अलेक बेचारे ने उनका क्या बिगाड़ा था जो उसे इस बुरी तरह से पीटा । अभी कितनी उम्र ही है ? उसने किसी का कुछ कभी बिगाड़ा नहीं ।

ग्रूबर

(उपयुक्त शब्द मिलने में कठिनाई हो रही है) तुम... और तुम से जिन-जिन का संबन्ध है, जो । चाहे जो हो जाए, वह इस बात पर तुले हैं कि तुम्हारे हजार टुकड़े कर डालें ।

ऐना

ग्रूबर, यही तो मेरा भी जी कह रहा है । मुझे जान पड़ता है कि कुछ बुरा होने वाला है । मैं जो से यही कहती हूँ । मैं कहती हूँ कि अगर शेरिफ को नाराज करोगे तो वह हमें नुकसान पहुंचायेगा । और जो मेरा जी बोलता है । वही होता है...

जो

(शोकपूर्ण हृदय से) हां ऐना, मैं जानता हूँ । तुम्हारा जी सदा बुरी आशंकाएं ही करता रहता है । लेकिन मैं करूं तो क्या करूं ? (ग्रूबर की ओर अनुनय-पूर्वक देखता है) तुम्हीं बताओ ग्रूबर, मैं क्या करूं ? क्या मैं कह दूँ उनसे कि आओ, जो कुछ है ले लो, मैं हारा ! अब दो वर्ष बाद क्या मैं अपना सर्वस्व उन्हें दे डालूं ?

ग्रूबर

(संकोच-पूर्वक) जो, मैं क्या राय दूँ तुम्हें ? दुनिया में यह

सब से कठिन काम है...संभव है...

जो

(उत्सुकता से) लेकिन कहो तो, ग़ुबर ! बताओ मुझे !

ग़ुबर

यह इतना सहज नहीं है ।

जो

मैं जानता हूँ.....

ऐना

ग़ुबर, क्या हम अपनी जायदाद छोड़ दें ? यही मैं...

ग़ुबर

(तेजी से) नहीं । यही तो तुम्हें नहीं करना चाहिए । तुमने इतने कष्ट सहे हैं और बात इतनी आगे बढ़ गई है कि अब सब्र कर लेना ठीक नहीं ।

जो

यही तो मैं भी सोचता हूँ, ग़ुबर । लेकिन देखो, अलेक की क्या गत की है उन्होंने ? मैं बराबर यही समझता रहा कि भगड़ा कंपनी और मेरे बीच में है । लेकिन अब उन लोगों ने हमारे बच्चों को मारना शुरू कर दिया है । ग़ुबर, यह बात ही दूसरी हो जाती है । मन को इससे बड़ा दुख होता है...

ग़ुबर

तुम्हारा बल तोड़ने के लिए वह क्या न कर डालेंगे ! तुमसे

धरती हमारी है

नहीं जीतते तो तुम्हारे लड़कों से सही। यह कहने की आवश्यकता नहीं...

जो

जानता हूँ। दो वर्ष तक वह मुझे तंग करते रहे।

ग्रूबर

ठीक। देखो, तुम आप सब समझ रहे हो। लेकिन मेरा तो यह विश्वास है। अगर मैं और तुम्हारे सब मित्र यह जानते कि गलती तुम्हारी है तो हम लोग कहते कि—छोड़ो। अपनी जगह उन्हें दे डालो और उसे लेकर यह जहन्नम में जायं।

जो

(निराश होकर) लेकिन मैं गलत रास्ते पर तो नहीं हूँ, कि हूँ ग्रूबर ?

ग्रूबर

तुम वही कर रहे हो, जो दुनिया में कोई दूसरा आदमी करता। तुम अपनी चीज की रक्षा के लिए लड़ रहे हो। एक भले आदमी की भांति अपने जीने के अधिकार के लिए लड़ रहे हो। इनके लिए लड़ने का तुम्हें पूरा अधिकार है।

जो

(धीमे से) हां.....ग्रूबर। मैं भी यही खयाल करता हूँ। कितनी ही रातें मैंने यही, जो तुम कहते हो, सोचते हुए काटी है। दो वर्ष से मैं भी यही अपने से कहता रहा हूँ.....(रुक जाता है)।

ग्रूबर

लेकिन ?

जो

(धीरे-धीरे किंचित् कष्ट के साथ) लेकिन जब मैं कल घर से बाहर दौड़कर गया.....और अलेक को जमीन पर पड़ा देखा, और देखा कि उसके मुंह से खून बह रहा है, तो मैं रोने लगा। मैंने अपने आप कहा—नहीं, जो, इस दर्जे तक बातें पहुंच गई हैं तो सब करना ही अच्छा होगा। मैंने घर इसलिए नहीं किया था कि लाखों निकलें। जहां तक अपने ऊपर की बात है, ग्रूबर, मुझे कुछ भी परवाह नहीं। एक क्या दस हजार शेरिफ हों तो अकेला इन दो हाथों से लड़ सकता हूं। लेकिन...जब वह लोग हमारे वच्चों पर हाथ चलाते हैं...तब मैं कांप उठता हूं। अब मैं कर ही क्या सः , बताओ ?

ग्रूबर

(उत्साह से) सब कुछ हो सकता है, जो ! तुम्हें यह न समझना चाहिए कि कंपनियों और शेरिफों से लड़ने वाले दुनिया में तुम्हीं अकेले हो। मैं कहता हूं, तुम्हारे जैसे लाखों हैं। तुमने उनकी आवाजें नहीं सुनी हैं, लेकिन हैं अवश्य.....जो तुम्हारी ही तरह दबना, अपना गला घुटवाना, स्वीकार नहीं करते।

जो

(हकलाता हुआ) हां जरूर हैं। लेकिन...तो क्या इस कारण मैं...

धरती हमारी है

ग्रूबर

(तेजी से) मुझे एक सवाल करने दो, जो । वही जो तुम ने अपने आप से सैकड़ों बार किया होगा । तुम—एक अकेले गरीब किसान—इतने दिनों तक कंसालिडेटेड कम्पनी से क्यों लड़ते रहे, जबकि तुम बराबर जानते हो कि लाखों-करोड़ों डालर उनके पास हैं, पुलिस और राजनीति उनके वश की बात है, और इन कारणों से वह तुमसे बहुत अधिक बलशाली हैं ?

जो

(दृढ़ता से) इसलिए कि यह मेरा घर है । इस पर मेरा और मेरे बच्चों का अधिकार है । किसीको हक नहीं कि वह आकर मुझसे इसे छीन ले ।

ग्रूबर

बिल्कुल ठीक ! यह बात तो नहीं कि तुम जानते न रहे हो कि वह लोग क्या-क्या कर सकते हैं । तुमको यह मालूम होना चाहिए था कि जिस बात को वह चाहते हैं उसे पूरी करने के लिए वह कुछ उठा न रक्खेंगे ।

जो

जानता मैं जरूर रहा ।

ग्रूबर

लेकिन उससे तुम रुक तो नहीं गए ?

जो

नहीं ।

ग्रूबर

तुम उनसे अभी और लड़ने वाले थे...कल रात तक ।

जो

हां...लेकिन अलेक की जो गत उन्होंने की, उससे मैं डर गया हूँ ।

ग्रूबर

और अब तुम यह समझने लगे हो कि तुम्हारा पक्ष गलत है ? और यह कि तुम्हारे जीतने की अब उम्मीद नहीं है...

जो

(उत्सुकता-पूर्वक) क्या ऐसा समझते हो ?

ग्रूबर

(दृढ़ता से) जरूर तुम ऐसा समझते हो । तुमने सारी दुनिया को यह दिखा दिया कि आदमी में साहस हो सकता है, उसे दृढ़ता-पूर्वक अपनी संपत्ति की रक्षा के लिए खड़ा होना और लड़ना चाहिए । तुम डरे नहीं । दूसरे भी न डरेंगे । अगर तुम्हारा जसा एक आदमी दो वर्ष तक डटा रह सकता है, तो लाखों आदमी—एक साथ मिलकर काम करें तो—दो हफ्ते के भीतर क्या नहीं कर सकते ? मेरा मतलब समझ रहे हो, जो ?

जो

(कुछ क्षण रुककर) हां...ग्रूबर...मेरी समझ में तो आ रहा है...

धरती हमारी है

ग्रूबर

अच्छा तो मैं केवल इतना तुमसे कह सकता हूँ। अब तुम अपने आप निश्चित कर लो कि तुम्हें क्या करना चाहिए।

जो

सिर्फ एक ही बात करनी है। है नहीं ?

ग्रूबर

वह क्या ?

जो

हम यहीं बने रहेंगे।

ग्रूबर

मैं जानता था, तुम यही निश्चय करोगे।

जो

(ग्रूबर का हाथ सप्रेम ग्रहण करते हुए) ग्रूबर, लफजों से मैं भुलावे में आ जाता हूँ...लेकिन मैं जानता हूँ कि जो कुछ तुम कह रहे हो, तुम्हारे दिल की बात है। इसीसे मैं तुम्हें अपना मित्र मानता हूँ।

ग्रूबर

तुम्हें मित्रों की कमी नहीं है, जो। मैं भी उनमें से एक हूँ।

जो

(अपना कोट पहनता हुआ) धन्यवाद, ग्रूबर। और अब जरा मैं दवाखाने से अलेक के लिए दवा ला दूँ।

ग्रूबर

(अपनी घड़ी देखते हुए) साढ़े पांच बजे हैं। मुझे भी जाना है।

ऐना

(उठकर बैठती हुई) जो...तुम चले न जाओ। मुझे अकेले बड़ा डर लगता है।

जो

ऐना, मैं जल्दी ही वापस आऊंगा। पन्द्रह मिनट में। मैं तेज़ी से गया और लौटा।

ऐना

(आंसू भरकर) जो ! मत जाओ, कृपा करके !

ग्रूबर

मैं समझता हूँ तुम अभी न जाओ, जो। ऐना इतनी डरी हुई है कि उसे अकेली छोड़ना ठीक नहीं।

जो

लेकिन दवा भी—

मेरी

पापा, मैं चली जाऊंगी। तुम ठहरो।

जो

अच्छा मैं न जाऊंगा।

ग्रूबर

मेरी कार बाहर खड़ी है, मेरी। मैं तुम्हें पहुँचा दूंगा। (वह

घरती हमारी है

ऐना के पास जाता है ।) नमस्कार, ऐना । मैं फिर कल आकर तुम्हें देख जाऊंगा ।

ऐना

(उसके हाथ को पकड़कर चूमती है) धन्यवाद...शूबर,
धन्यवाद ।

शूबर

(घबराहट से) किस बात के लिए ?

ऐना

तुम्हारी बातों से मजबूत हो गया है...यह... (हृदय की ओर इशारा करते हुए) ।

मेरी

मेरी चिंता न करना, मा । मैं अभी आती हूँ ।

जो और ऐना

नमस्कार, शूबर ।

शूबर

(दरवाजे के पास से) नमस्कार ।

[मेरी के साथ बाहर जाता है ।]

ऐना

(बहुत देर ठहरकर) जो, कल मेरी तबियत और अच्छी हो जाएगी । अलेक के लिए मैं मुर्गी का शोरबा बनाऊंगी ।

जो

इसकी फिक्र न करो, ऐना । तुम बस पड़ी रहो, और

आराम करो। मेरी और मैं सब काम संभाल लेंगे और तुम्हारी भी फिक्र कर लेंगे।

ऐना

(आंसू भरे हुए) मैं नहीं कह सकती कि मैं इतनी डरी हुई क्यों हूँ, जो। मेरा जी बहुत घड़क रहा है...जैसे...

जो

ऐना...मेरी प्यारी, ऐना। तुम इतनी घबड़ाई हुई हो, ग़ुबर ठीक तो कहता था। चिंता न करो। सब ठीक हो जायगा। देखो...अपनी आंखें मूंद लो। मैं जाकर खाना तैयार किए लेता हूँ। (उसकी पलकों को चूमता है) आंखें खूब मूंदे रहना। मैं अभी आता हूँ।

[रोशनी को धीमी कर देता है और रसोईघर में आहिस्ता से चला जाता है। हम उसे बर्तनों को इधर-उधर करते हुए सुनते हैं। बाहर अंधेरा हो रहा है। ऐना चुपचाप सोफे पर पड़ी है। लेकिन हम हवा में एक गहन भाव का अनुभव करते हैं। अचानक पुलिस की सीटी की तीक्ष्ण आवाज, शांति को टूक-टूक करती हुई सुनाई देती है। इसी के साथ ही कमरे की हल्की रोशनी भी जाती रहती है, जैसे बाहर किसी ने बिजली के तार काट दिये हों। ऐना घबराई हुई उठ बैठती है। उसी दम रुलाने वाली गैस का एक बम कमरे में फटता है, ऐना के पैरों के ठीक पास। हमें उसके जोर से खांसने की

धरती हमारी है

आवाज सुनाई देती है । वह आगे के दरवाजे की ओर लड़-
खड़ाती दिखाई देती है ।]

ऐना

(चीख मारकर) जो ! जल्दी दौड़ो ! मेरा दम घुट रहा
है । (बड़े ऊंचे स्वर से) जो !

[दरवाजे पर लात मारकर उसे कोई खोलता है, और ऐना पर
कोई एक गोली चलाता है । एक तेज टार्च बाहर से दिखाई
जा रही है, जिससे पता चलता है कि वह कहां है । वह बड़ी
जोर से चीख मारकर जमीन पर गिरती है ।]

डफी

(स्टेज के बाहर से) बाहर निकल आओ, जो ! हम तुमसे
न बोलेंगे ।

जो

(घबड़ाया हुआ दौड़कर कमरे में आता है) ऐना ! ऐना !
बाहर मत निकलना, यह लोग तुम्हें मार डालेंगे !

डफी

(उसी भाँति) बाहर निकल आओ, जो !

जो

(ऐना के शरीर से ठोकर खाता हुआ दूसरी ओर
जाता है । मेज के पास दौड़कर पहुंचता है, और उसकी दरवाजे
से अपना पुराना फौजी रिवाल्वर निकालता है, और दर-
वाजे पर दौड़कर आता है) मैं तुम्हें मार डालूंगा ! मैं
तुम्हें मार डालूंगा !

मर्फी

(स्टेज के बाहर से) यह तो बंदूक लिए हुए है ।
[बंदूक नहीं छूटती । दूसरी गोली चलती है और वह अपनी
टांग पकड़े हुए जमीन पर गिर जाता है ।]

बर्न्स

ले लिया है दोगले को मैंने !

[डफी, बर्न्स, वेल्स, मर्फी कमरे में घुस पड़ते हैं ।]

डफी

(तेजी से) अपनी सफाई क्या होगी, पट्टो समझे ! हम
लोगों ने आत्मरक्षा में गोली चलाई है ।

[ऐना के निकट घिसटकर आने का जो प्रयत्न करता है ।]

बर्न्स

(उसे पकड़ता हुआ) पड़ा रह वहीं ।

जो

(रोता हुआ) दया करो...शेरिफ...अब गोली न चलाओ ।
अब मैं सब छोड़ता हूँ ।

मर्फी

(हंसता हुआ) छोड़ता हूँ, हैं न ? अब तुझे पाया है हम
लोगों ने ! (उसे दरवाजे की ओर घसीटने में बर्न्स की मदद
करता है ।)

डफी

(वेल्स से) ऊपर जाकर देखो तो । कोई और तो कहीं छिपा

घरती हमारी है

हुआ नहीं है (वेल्स बाहर जाता है) अच्छा, अब इसे कार पर ले चलो ।

[वेल्स वापस आता है ।]

वेल्स

बस वही लौंडा है जिसे हम लोगों ने कल रात पीटा था ।
बिस्तर पर पड़ा हुआ है ।

डफी

पड़ा रहने दो उसे । वह अपनी भुगत चुका ।

[वह लोग जो को घसीटते हैं ।]

जो

(चीखते हुए) मेरी घरवाली है ! शेरिफ, कृपा करो ! एक
डाक्टर जल्दी से बुलवाओ ।

डफी

(एँठकर) भाड़ में जाय तुम्हारी घरवाली । ठीक पड़ी है ।
(वेल्स से) तुम क्या खड़े-खड़े कर रहे हो जी ? कुछ करेगा भी
निकम्मा कहीं का ! (वेल्स स्तंभित और घबराया हुआ, स्वभावतः
उधर जाता है जिधर एना पड़ी हुई है ।) दूर रह उससे !
(चीखता है) ।

वेल्स

(डरा हुआ) मैं नहीं जानता था कि ऐसी गोलियां चलेंगी ।

डफी

(क्रोध से लाल होकर) तुम नहीं समझते थे !... (हाथ

उठाता है, मानो मारने को हो । वेल्स बाहर भागता है । वह लोग जो को बाहर ले जाते हैं । हम उनकी आवाजें सुनते हैं । डफी की आवाज सबसे ऊंची सुनाई देती है ।) चलो, जल्दी करो ! सारी रात यहीं बिता दोगे !

जो

(स्टेंज से बाहर, जोर से) ऐना, बिदा । नमस्कार !

डफी

बन्द करो इस का मुंह ।

[एक थप्पड़ की आवाज सुनाई देती है । उनकी आवाजें मंद पड़ती जाती हैं । ऐना वहीं फर्श पर पड़ी है । खून के बंडल जैसी, मौत की-सी खामोशी में । घर में अंधकार छा गया है । रसोईघर का दरवाजा धीमे से खुलता है, और अलेक प्रवेश करता है । उसका सिर पट्टियों से बंधा हुआ है । सोने के पायजामे के ऊपर एक जाकट पड़ी है । वहां पर खड़ा होता है, दरवाजे का सहारा लेकर स्तंभित । धीमे से कहता है 'मा ?' फर्श पर पड़े हुए शरीर को देखता है, फिर एकाएक चीख उसके कांपते हुए होठों से निकल पड़ती है, और वह भी फर्श पर गिर जाता है ।]

अलेक

मा ! मैं हूं अलेक ! बोलो मुझसे ! मा ! बोलो मुझसे !
(फूटकर रोने लगता है ।)

(परदा)

धरती हमारी है

विष्कम्भक

अब स्टेज बिल्कुल अंधकारमय हो चुका है, केवल एक धीमी हरी या पीली रोशनी पीछे से आकर वातावरण को भासित करती है। इस क्षण कुछ परछाइयां दिखाई पड़ती हैं, और गुजरती हुई मकान के सामने खड़ी हो जाती हैं। यह जो और ऐना स्टोपा के मित्र और पड़ोसियों की परछाइयां हैं। पहले तो हर एक आवाज अपनी-अपनी पंक्तियां उच्चारण करती है। जब सब स्पीचें खतम होती हैं, उसके बाद धीमी मर्मर ध्वनि सुनाई देती है और यह ध्वनि बढ़ती ही जाती है। यह ध्वनि जब समाप्त होगी तब हम अंतिम दृश्य अर्थात् अंत्येष्टि क्रिया के दृश्य पर पहुंच जायेंगे। यदि संभव हो, यहां पर विषादमय संगीत कराया जाना चाहिए। मृत्यु के अवसर पर गाए जाने वाले भजनों में से एक चुन लिया जा सकता है। इसे स्टेज से बाहर सुनाई देना चाहिए और जब पादरी माइकेल प्रकट हो तब इसे धीमा पड़ते जाना चाहिए। आगे आनेवाली सभी पंक्तियां धीमे तथा गंभीर स्वर में उच्चरित होंगी।

पहली स्त्री

(कठोर स्वर में) तुमने सुना ऐना स्टोपा की हत्या हुई है ?

दूसरी स्त्री

(भयभीत-सा स्वर) पांच घंटे वह खून से भरी हुई मृत्यु के अंधकार में पड़ी रही !

पहला मनुष्य

(तीव्र स्वर में) वह लोग नशे में चूर आए थे, उनके होठों से घृणा टपक रही थी।

दूसरा मनुष्य

(दृढ़ता से) किसी को दया न आई !

तीसरी स्त्री

(रुआसे स्वर में) प्राण.....उस के शरीर के, दो गोलियों के छेदों ने हर लिए।

तीसरा आदमी

(शोकमय स्वर में) और जो कहता था कि हम ने घर इस लिए नहीं बनाया कि लाशें गिरें।

चौथा आदमी

(तीव्र स्वर में) क्या हम चुप रहेंगे ?

भीड़

(शांति और उत्सुकता से) श-श-श-श...

पांचवीं स्त्री

(सामने आकर) अब शीघ्र आरम्भ होगा...

(परदा)

पांचवां दृश्य

स्टोपा के घर के सामने

जो कुछ होता है उसके बीच में बस्तियां जलती रहती हैं। मानो सवेरे का प्रकाश धीमे-धीमे आ रहा हो। हमें सहसा जान पड़ता है कि अंत्येष्टि संस्कार होने जा रहा है। हम देखते हैं कि जो एक कुरसी पर बैठा है; उसकी टांग में पट्टियां बंधी हैं। अपने सिर को अपने हाथों पर डाले हुए है। मेरी धरती पर बैठी है, उसका सिर पिता के घुटनों पर टिका है, उसके कंधे हिल रहे हैं, जैसे सिसकियां ले रही हो। लोगों के हृदय, बुखी मुखड़े भीड़ में दिखाई दे रहे हैं। औरतें अपने मुख रुमाल से ढके हुए हैं। जैसे ही पादरी माइकेल गिरजाघर की लिबास में आता है, मौन भंग होता है। वह चबूतरे पर खड़ा होकर धीमे गंभीर स्वर में बोलना आरंभ करता है।

पादरी माइकेल

(धीमे और अभिनय के साथ; चढ़ाव-उतार के स्वर में)
और यही कारण है, मेरे बच्चो, कि हमारी प्रिय बहन, ऐना स्टोपा इस संसारी जीवन को छोड़कर चली गई। हमारे स्वामी, ईसा मसीह ने उसे अपने पास बुला लिया। ऐना अब स्वर्ग में देव-दूतों के साथ भजन गाती है...

भीड़

(धीमे, अत्यन्त मंद स्वर में) आमीन !

पादरी माइकेल

(उसी भांति) परन्तु जब कि हम यहां खड़े होकर उसके लिए मातम कर रहे हैं, और उसकी अनन्त शान्ति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं, तब हमें अपने हृदयों को उन गुमराह भाइयों के विरुद्ध घृणा से नहीं भरने देना चाहिए, जिन्होंने बच्चों की भांति क्रोध में रक्तपात किया है। (भीड़ अधीर हो उठती है) याद रखना, मेरे बच्चो, सभी ने अपराध किया है। कोई पुण्यात्मा नहीं है। यदि कोई अन्याय हुआ है...तो इसका दंड दिया जायगा...उस अन्तिम न्याय के दिन...स्वर्ग में। आओ हम अपनी प्यारी बहन से, हृदयों में प्यार रखकर, बिदा हों। हम उन भाइयों को क्षमा कर दें जिन्होंने स्वामी की दृष्टि में अपराध किया है। क्योंकि ईसा मसीह ने कहा है...पाप की कमाई मृत्यु है...और मृत्यु के अनन्तर...

[ग़ूबर अधीर और चंचल होकर चबूतरे पर कूदकर आ जाता है।]

धरती हमारी है

ग्रूबर

(स्थिरता से) पिता, इस प्रकार बात काटने के लिए क्षमा करो। यह बड़ा गम्भीर अवसर है, मैं जानता हूँ, परन्तु, ऐसा नहीं कि आप पवित्र पुस्तकों से उद्धरण सुनावें...

पादरी माइकेल

(तनिक खांसते हुए) भाई...

ग्रूबर

(उसी भांति) जो कुछ हुआ है, उसे साफ-साफ क्यों नहीं कहते हो ? क्या तुम उसे जानते नहीं हो, पिता ! या उसे कहने का साहस नहीं है !

पादरी माइकेल

(तीव्रता से) तुम भूल रहे हो कि वह.....

ग्रूबर

(बात काटकर) मैं भूल कुछ नहीं रहा हूँ। (भीड़ की तरफ मुड़कर जहाँ कानाफूसी चल रही है, वह अपना हाथ शांति निर्दिष्ट करने के लिए ऊपर उठाता है।) हाँ, मेरे मित्रो, पिता माइकेल ठीक कहते हैं ! हमारा न्याय का दिवस निकट आ रहा है ! परन्तु न्यायकर्ता होंगे हम लोग ! क्या यह उचित है कि हम लोग मौन खड़े रहें, और न्याय का काम अपने वैरियों पर छोड़ दें ? नहीं ! जो घटना ऐना और जो पर घटी है, हम सब पर घट सकती है। कोई सुरक्षित नहीं है। इसी से हमें एक साथ मिलकर सामना करना चाहिए...

पादरी माइकेल

(उसके कंधे पर हाथ रखते हुए) भाई...

ग्रूबर

(उसका हाथ झिटकाकर) मुझे अपनी बात खतम करने

दो !

पादरी माइकेल

लेकिन अंत्येष्टि क्रिया.....

भीड़ से एक पुरुष की आवाज

उसे अपनी बात पूरी करने दो !

पादरी माइकेल

(क्रोध-पूर्वक) तुम सब.....

ग्रूबर

(जो की ओर घूमकर) सुनो, जो, जो कुछ मैं कह रहा हूँ। अपने दुख में तो तुम अकेले नहीं हो। हम सब तुम्हारे साथ दुखी हैं। लेकिन ऐना की मृत्यु व्यर्थ नहीं हुई है। उसकी मृत्यु हम सबको एक दूसरे के और भी निकट लाई है। उसने हमें अपना खतरा देखने का अवसर दिया है, और दिया है प्रकाश। हम जानते हैं कि जिन लोगों ने उसकी हत्या की है वे साफ छूटेंगे। हम न्यायालयों के झुटकारे में नहीं आ सकते, जो कि उनके अपराधों पर चूना पोतने का ढंग निकालेंगे, परंतु वह लोग अपराधी हैं जरूर ! क्योंकि हम उन्हें अपराधी निर्धारित करते हैं ! (भीड़ की ओर मुड़कर)

धरती हमारी है

सुनो ! सब लोग सुनो ! जब हम इस तरह मरेंगे तो दुनिया हमारी क्षति पर तरस खाएगी । हमें किसी के तरस की आवश्यकता नहीं !

भीड़

(उच्च स्वर से) नहीं है !

पादरी माइकेल

(चबूतरे के किनारे आकर और लोगों को शांत करने के लिए हाथ उठाते हुए) बच्चो ! शरम खाओ । याद रखो ! मृत आत्मा की शांति के लिए ..

ग्रूबर

(उसकी तरफ मुड़कर) नहीं, पिता ! जीवित आत्माओं की शांति के लिए ! मृत को हम दफन कर चुके !

(परदा)

